Total Pages : 4 Roll No. .....

MASL-204

नाटक एवं नाटिका

एम.ए. संस्कृत (एमएएसएल- 12/16/17)

द्वितीय वर्ष, सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क एवं ख में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. 'मृच्छकटिकम्' के अनुसार वसन्तसेना एवं चारुदत्त के चरित्र चित्रण का वर्णन कीजिए।

2. 'मृच्छकटिकम्' के रचियता शूद्रक के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए:

(क) शून्यमपुत्रस्य गृहं चिरशून्यं नास्ति यस्य सन्मित्रम्।
मूर्खस्य दिशः शून्याः सर्वं शून्यं दरिद्रस्य।

(ख) कामं प्रदोषतिमिरेणा न दृश्यसे त्वं
सौदामिनीव जलदोदरसन्धिलीना।
त्वां सूचयिष्यति तु माल्यसमुद्भवोऽयं
गन्धश्च भीरु! मुखराणि च नूपुराणि।।

(ग) सत्यं न मे विभवनाशकृताऽस्ति चिन्ता
भाग्यक्रमेण हि धनानि भवन्ति यान्ति।
एतत्तु मां दहति, नष्टधानाश्रयस्य
यत् सौहृदादपि जनाः शिथिलीभवन्ति।।

4. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए:

(क) गुणप्रवालं विनयप्रशाखं
विस्रम्भमूलं महनीयपुण्यम्।
तं साधुवृक्षं स्वगुणैः फलाढ्यं
सुहृदद्विहङ्गः सुखमाश्रयन्ति।।

(ख) रक्तञ्च ना मधुरञ्च समं स्फुटञ्च
भावान्वितञ्च ललितञ्च मनोहरञ्च।
किं वा प्रशस्तवचनैर्बहुभिर्मुदुक्तैः
अन्तर्हिता यदि भवेद्वनितेति मन्ये।।

(ग) भाग्यानि मे यदि तदा मम कोऽपराधो
यद्वन्यनाग इव संयमितोऽस्मि तेन।
दैवी च सिद्धिरपि लङ्घयितुं न शक्या
गम्यो नृपो बलवता सह को विरोधः?।।

5. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए:

(क) सत्कारधनः खलु सज्जनः कस्य न भवति चलाचलं धनम्।
यः पूजयितुमवि जानाति स पूजाविशेषमपि जानाति।

(ख) स्त्रियो हि नाम खल्वेता, निसर्गादेव पण्डिताः।
पुरुषाणान्तु पाण्डित्यं, शास्त्रैरेवोपदिश्यते।।

(ग) यः कश्चित्त्वरितगतिर्निरीक्षते मां, सम्भ्रान्तं द्रुतमुपसर्पति स्थितं वा
तं सर्वं तुलयति दूषितोऽन्तरात्मा, स्वैर्दोषैर्भवति हि शङ्कितो मनुष्यः।।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. 'मृच्छकटिकम्' शब्द का अर्थ लिखिए तथा क्यों इसका नाम मृच्छकटिकम् हुआ?

2. 'मृच्छकटिकम्' के प्रथम व द्वितीय अंक के कथा का सारांश लिखिए।

3. चारुदत्त द्वारा किए गए गरीबी व अमीरी का वर्णन अपने शब्दों कीजिए।

4. 'मृच्छकटिकम्' के स्त्रीपात्रों का वर्णन कीजिए।

5. 'मृच्छकटिकम्' के अनुसार समाजिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

6. 'रत्नावली' के अनुसार वासवदत्ता का चरित्र चित्रण स्पष्ट कीजिए।

7. 'रत्नावली' के रचयिता का व्यक्तित्त्व वर्णन कीजिए।

8. 'रत्नावली' के प्रथम अंक का कथासार लिखिए।